समय- 03 घण्टे **अंक -100**

सूचना :- १] सभी प्रश्न अनिवार्य है।

२] सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न -१) कविता का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके विकास पर प्रकाश डालिए। -20

अथवा

निबंध के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न -२) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए। -20

क) " बोधिसत्व ने कहा: तीर्थों को खोज चला है,
चलता जा
माँग की यात्रा लंबी हो,
पथ ही जैसा - तैसा पाथेय जुटाता चले ,
परिग्रह के पत्ते ज्यों झरते त्यों ज्ञान के बीज तू पाता चले।"

अथवा

" सब छिपाते थे सच्चाई
जब तुरंत ही सिद्धियों से
असलीयत को स्थगित करते
भाग जाते उत्तरों से
कला थी सुविधापरस्ती
मूल्य केवल मस्लहत थे
मूर्ख थी निष्ठा
प्रतिष्ठा सुलभ थी आडंबरों से।"

ख) " जब हम कहते है की अमुक दृश्य बडा सुंदर है, उदाहरण के लिए किसी वन या पर्वत की शोभा ले जाये तो उसका मतलब यही होता है कि वह रंग का सामंजस्य है ,ऊंचाई -नीचाई बेमाप नहीं हो गई है।"

अथवा

" अखबार इस सभ्यता का सबसे बडा फूल है जिसकी सुगंध बिना हवा के संसार भर में फैल रही है।
यों तो यह 'बारहमासा ' है परंतु इसके फलने की विशेष ऋतू है युद्ध।"

प्रश्न -३) 'सिलसिला ' कविता की संवेदनायें स्पष्ट कीजिए। -20

अथवा

' चुप्पी टुटेगी ' कविता का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न - ४) 'बाजार - दर्शन ' निबंध मे बाजार वर्णन को स्पष्ट कीजिए। -20

अथवा

' हिम्मत और जिंदगी ' निबंध का संदेश लिखिए।

प्रश्न -५) किन्ही दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) 'यात्री ' कविता का संदेश
ख) ' नया कवी ' कविता का महत्व
ग) ' आँगन का पंछी ' निबंध का उद्देश
घ) ' अगर मुल्क में अखबार न हो ' निबंध का सार संक्षेप

****

XROYADMINY3FEE85XROYADMINY3FEE85XROYADMINY3FEE85XROYADMINY3FEE85